# Daily Current Affairs

Date : 25 May, 2026

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

## अनुक्रमणिका


| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|---|---|
| 1. | 'राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024' में संशोधन |
| 2. | 'एक जिला एक उत्पाद नीति' (ODOP) में परिवर्तन |
| 3. | प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा का राज्यव्यापी उन्मूलन अभियान |
| 4. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स<br>1. पंडित दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन पीठ : बाँसवाड़ा<br>2. RSRDC की 131वीं बैठक<br>3. 'जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग' का पाँचवाँ राज्य स्तरीय विशेष अभियान<br>4. 5वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता<br>5. फिट इंडिया साइकिल संडे |
| 5. | डॉ. लहारक्याल लामा |
| 6. | गुरिंदरवीर सिंह |
| 7. | स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट |
| 8. | खेत बचाओ अभियान |
| 9. | RBI अधिशेष |
| 10. | आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (ABHA) |
| 11. | एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB) |
| 12. | WTO विवाद निपटान निकाय |
| 13. | इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) |
| 14. | इबोला रोग |
| 15. | विश्व थायरॉयड दिवस, 2026 |
| 16. | थर्मल ऊर्जा भंडारण (TES) प्रणालियाँ |
| 17. | IN-SPACe |
| 18. | गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार |
| 19. | प्रेगाबालिन एवं शेड्यूल H1 |




उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान परिदृश्य

## 'राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024' में संशोधन

### चर्चा में क्यों?

- राजस्थान बजट - 2026-27 की घोषणा की अनुपालना में हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा 'राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति – 2024' में संशोधन की अधिसूचना जारी की गई।

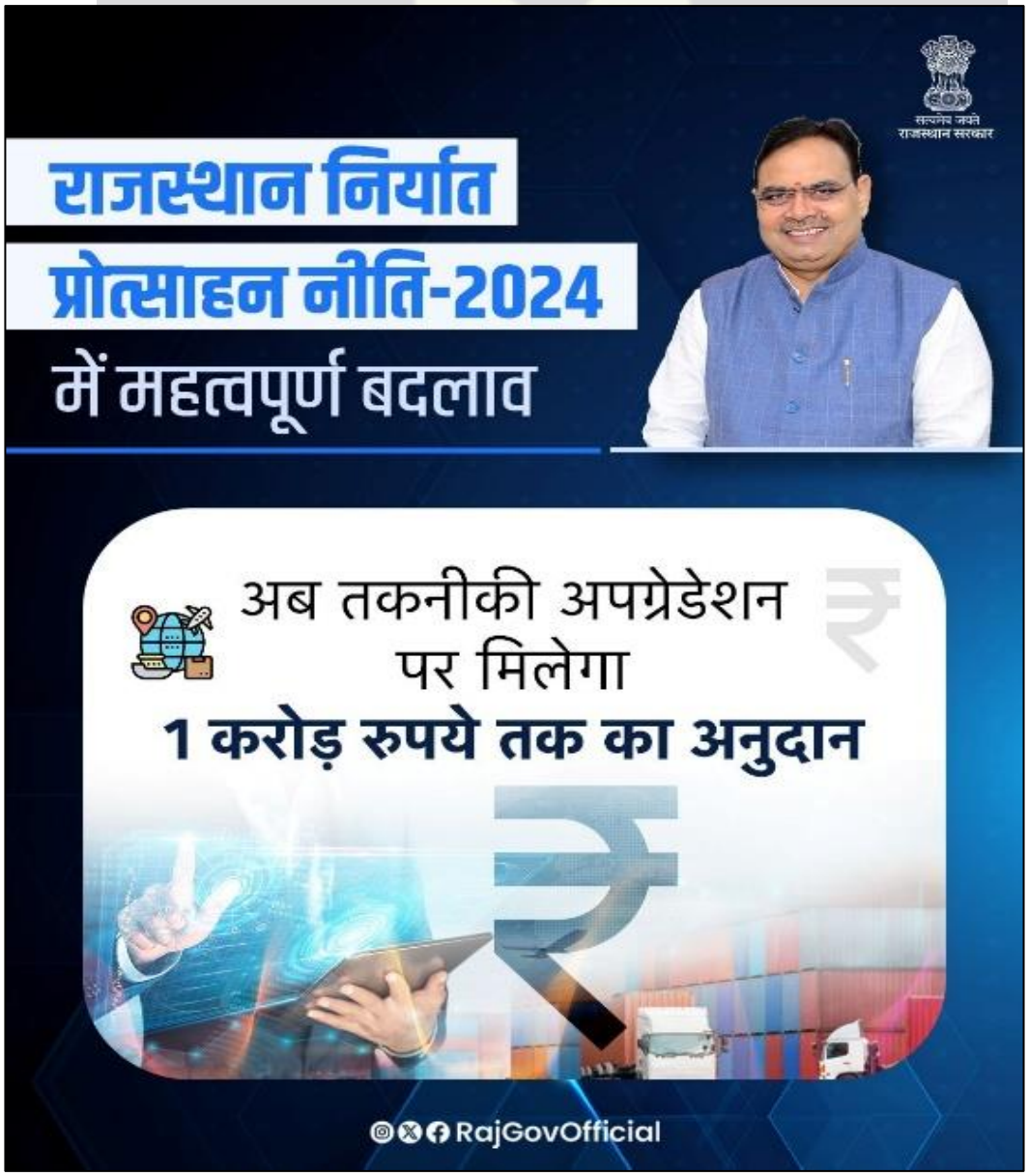




उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य बिन्दु:

- संशोधन द्वारा इस नीति के तहत तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए पूर्व में दिए जाने वाले अधिकतम अनुदान को ₹50 लाख से बढ़ाकर ₹1 करोड़ कर दिया गया है।

### राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति, 2024 :

- **अनावरण :** 4 दिसंबर, 2024 को।
- **अधिसूचना :** 8 दिसंबर, 2024 को।
- **प्रभावी :** 31 मार्च, 2029 तक या अन्य नीति द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किए जाने तक।
- **उद्देश्य :** इस नीति का उद्देश्य वर्ष 2029 तक राज्य के निर्यात को वर्तमान के ₹83,704 करोड़ से बढ़ाकर ₹1.5 लाख करोड़ करना है।
- राज्य के उद्यमियों को निर्यातक बनाने के उद्देश्य से लागू की इस नीति के तहत निर्यातकों के दस्तावेजीकरण पर ₹5 लाख और तकनीकी अपग्रेडेशन पर ₹1 करोड़ तक की सहायता का प्रावधान है।
- साथ ही, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी पर ₹3 लाख तक का अनुदान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर ₹2 लाख तक का पुनर्भरण किया जाता है।

### फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

### निर्यात संवर्धन हेतु राज्य सरकार की अन्य प्रमुख पहलें:

### राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS), 2024 :

- **लॉन्च :** 8 अक्टूबर, 2024
- **उद्देश्य :** राज्य में सतत् आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देना।
- **फोकस पॉइंट:** औद्योगिक विकास नवाचार, पर्यावरणीय स्थिरता और हरित विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट :

- **आयोजन :** 9 से 11 दिसंबर, 2024 को जयपुर में।
- **उद्देश्य :** राज्य के अभूतपूर्व, समावेशी और सतत् आर्थिक व सामाजिक विकास को बढ़ावा देना और निवेशकों को आकर्षित करना।

## एक जिला एक उत्पाद (ODOP) नीति, 2024 :

- **लॉन्च :** 8 दिसंबर, 2024 को।
- **उद्देश्य :** प्रत्येक जिले की क्षमताओं का लाभ उठाकर और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ एकीकृत करके बजट 2024-25 के लक्ष्यों को लागू करना।
- यह नीति स्थानीय उद्योगों हेतु सहयोग को सुव्यवस्थित करने, उत्पाद मूल्य श्रृंखलाओं को बेहतर बनाने और क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने पर जोर देती है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# 'एक जिला एक उत्पाद नीति' (ODOP) में परिवर्तन

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए संचालित की जा रही 'एक जिला एक उत्पाद नीति (ODOP) - 2024 में दो महत्त्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं।

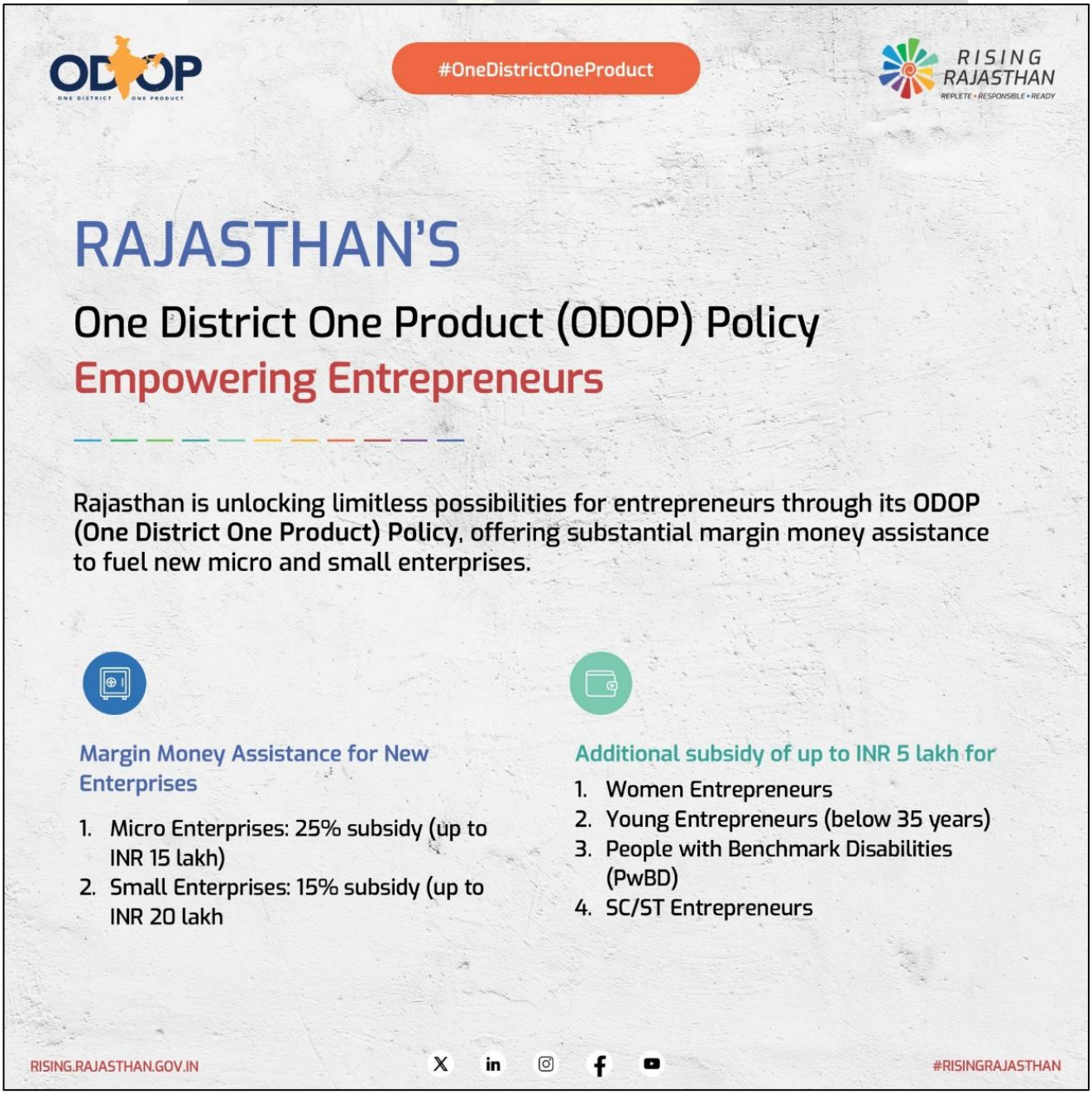



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य बिन्दु:

- उल्लेखनीय है कि राज्य बजट 2026-27 में ODOP इकाइयों को विस्तार के लिए मार्जिन मनी देने की घोषणा की गई थी।
- **प्रथम संशोधन :** उद्यमों (रत्नाभूषण सहित) का विस्तार करने वाली सूक्ष्म इकाइयों को ₹20 लाख और लघु श्रेणी इकाइयों को ₹15 लाख तक का मार्जिन मनी अनुदान मिल सकेगा। इसके लिए ₹15 करोड़ के अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया गया है। पूर्व में केवल नई इकाइयों को ही यह लाभ प्राप्त होता था।
- **द्वितीय संशोधन :** ODOP नीति के तहत अब निजी संस्थानों के माध्यम से भी तकनीकी अपग्रेडेशन कर सकेंगे तथा इसके लिए ₹5 लाख तक का अनुदान दिया जाएगा। पूर्व में यह लाभ केवल राजकीय संस्थानों के माध्यम से तकनीक अपग्रेडेशन करने पर ही दिया जाता था।
- इस बदलाव से ODOP इकाइयाँ नवीनतम तकनीक और मशीनें आसानी से ले सकेंगी, जिससे कम ऊर्जा खपत के साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हो सकेगा।

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु :**

- हाल ही में, राजस्थान के मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली पंच गौरव कार्यक्रम की राज्य स्तरीय समिति ने पाँच जिलों में कुल ₹18.19 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाली 5 नवीन परियोजनाओं को स्वीकृति दी।
- चयनित 5 ज़िलों; दौसा, चूरू, डीडवाना-कुचामन, फलौदी और बालोतरा में कॉमन फैसिलिटी सेंटर, टेस्टिंग लैब और भंडारण के लिए सुविधाएँ विकसित की जाएंगी।

**फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :**

**एक जिला एक उत्पाद (ODOP) नीति - 2024:**

- राज्य के विशिष्ट उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी 41 जिलों में एक-एक उत्पाद की पहचान कर 'एक जिला एक उत्पाद नीति-2024' की शुरुआत की गई है।
- **संबंधित विभाग :** उद्योग एवं वाणिज्य विभाग (राजस्थान सरकार)
- **नीति का शुभारंभ :** दिसंबर, 2024
- **वैधता :** 31 मार्च, 2029 तक।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इसके तहत राज्य सरकार द्वारा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन दिए जाते हैं।

**प्रोत्साहन :**

| क्र. सं. | प्रोत्साहन | वित्तीय सहायता | अवधि |
|---|---|---|---|
| 1. | मार्जिन मनी सहायता | ₹20 लाख तक। | अधिकतम 2 वर्ष के लिए |
| 2. | एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर | ₹5 लाख तक। | |
| 3. | क्वालिटी सर्टिफिकेशन और आईपीआर | ₹3 लाख तक। | |
| 4. | विपणन आयोजनों में भाग लेने के लिए | ₹2 लाख तक। | |
| 5. | ई-कॉमर्स वेबसाइट विकास के लिए | ₹75 हजार तक। | एकमुश्त |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा का राज्यव्यापी उन्मूलन अभियान

## चर्चा में क्यों?

- पंचायती राज और वन विभाग द्वारा राज्य से विलायती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) के संपूर्ण उन्मूलन के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयारी की जा रही है।

## मुख्य बिन्दु:

- प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा एक आक्रामक पादप प्रजाति है, जिसे भारत में विलायती बबूल, गोरख इमली या समी (थोर) के नाम से जाना जाता है। यह प्रजाति मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में पाई जाती है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह पादप प्रजाति ग्रामीण भूमि, चारागाहों और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। इसकी गहरी जड़ें (लगभग 30 फीट तक) और अत्यधिक जल सोखने की क्षमता (15 मीटर तक) भूजल स्तर में गिरावट और मृदा की उर्वरता में कमी का कारण बन रही हैं। इसके कारण देशी पौधों की प्रजातियाँ भी नष्ट हो रही हैं।

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:**

- **लैन्टाना घास :** राजस्थान में पाई जाने वाली यह भी एक आक्रामक पादप प्रजाति है, जिसे आमतौर पर लैन्टाना कैमारा के नाम से जाना जाता है। यह पौधा मध्य भारत, दक्षिण भारत, हिमालय की तराई और राजस्थान के अरावली क्षेत्र में व्यापक रूप से फैला हुआ है।
- **राजस्थान का वनावरण :** इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (ISFR) – 2023 के अनुसार राज्य का वनावरण 16,548.21 वर्ग किमी. (कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4.84 प्रतिशत) है तथा वृक्षावरण 10,841.12 वर्ग किमी. है। अतः राज्य का कुल वनावरण और वृक्षावरण 27,389.33 वर्ग किमी. है, जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 8 प्रतिशत है।

**फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:**

**राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना (RFBDP)**

- **समर्थन :** एजेंसी फ्रांसेइस डी डेवलपमेंट (AFD) द्वारा समर्थित।
- **परियोजना अवधि :** वर्ष 2023-24 से 2030-31 (8 वर्ष)
- **परियोजना की कुल लागत :** ₹1,693.91 करोड़ है, जिसमें ₹1,185.28 करोड़ AFD के ऋण योगदान के रूप में और ₹508.63 करोड़ राजस्थान राज्य द्वारा वहन किए जाएंगे।
- **उद्देश्य :** राज्य के पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता का संरक्षण और पर्णपाती वन संसाधनों में वृद्धि करना।
- यह परियोजना राजस्थान के 13 जिलों; अलवर, बारां, भीलवाड़ा, भरतपुर, बूँदी, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक में क्रियान्वित की जा रही है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## राजस्थान जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन:

- यह परियोजना जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA) द्वारा वित्त पोषित है।
- **परियोजना लागत :** ₹1,774.30 करोड़ है, जिसमें ₹1,493.20 करोड़ JICA का ऋण अंश और ₹281.10 करोड़ राज्यांश है।
- यह परियोजना अक्टूबर, 2024 से प्रभावी है और मार्च, 2035 तक क्रियान्वित की जाएगी।
- यह योजना राजस्थान के 19 जिलों; अजमेर, बाड़मेर, बाँसवाड़ा, बीकानेर, चूरू, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झुँझुनूँ, जोधपुर, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सीकर, सिरोही, राजसमंद और उदयपुर में क्रियान्वित की जा रही हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# न्यूज़ इन शॉर्ट्स

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|---|---|
| 1. | **पंडित दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन पीठ : बाँसवाड़ा**<br>■ हाल ही में, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन पीठ' का शुभारंभ किया।<br>■ इस पीठ का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाना है।<br>■ गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय (GGTU) की स्थापना दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2012 में की गई। |
| 2. | **RSRDC की 131वीं बैठक**<br>■ उप मुख्यमंत्री एवं RSRDC अध्यक्ष दिया कुमारी की अध्यक्षता में 24 मई, 2026 को आयोजित RSRDC की 131वीं बोर्ड बैठक में राज्य की प्रमुख सड़क और एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को गति देने के लिए महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए।<br>■ **RSRDC :** राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेंट एंड कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन।<br>■ **स्थापना :** वर्ष 1979 में मूल रूप से 'RSBCC' (राजस्थान स्टेट ब्रिज एंड कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के रूप में। वर्ष 2001 में नाम बदलकर RSRDC कर दिया गया। |
| 3. | **'जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग' का पाँचवाँ राज्य स्तरीय विशेष अभियान**<br>■ राजस्थान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) द्वारा 30 जून, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को राज्य स्तरीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है।<br>■ इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान ग्रामीण और उच्च माँग वाले क्षेत्रों में पानी की चोरी रोकना, लीकेज ठीक करना और अंतिम छोर तक पानी पहुँचाना है। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

| | |
|---|---|
| 4. | **5वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता**<br>■ **आयोजन :** इंदिरा गाँधी स्टेडियम, अलवर।<br>■ **आयोजक :** अलवर जिला बॉक्सिंग संघ।<br>■ **बालिका वर्ग विजेता :** अलवर की बालिका टीम ने कोटा की बालिका टीम को हराया।<br>■ कोटा की आरिका सिंह को बेस्ट बॉक्सर, हनुमानगढ़ की प्रियांशी को बेस्ट चैलेंजर बॉक्सर तथा अलवर की तस्लीमा को बेस्ट प्रोमिजिंग बॉक्सर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।<br>■ **बालक वर्ग विजेता :** भरतपुर की टीम ने अलवर की टीम को हराया।<br>■ भरतपुर के यश कुमार को बेस्ट बॉक्सर, जयपुर के वीर मृत्युंजय को बेस्ट चेलेंजर बॉक्सर तथा अलवर के युवराज कुमावत को बेस्ट प्रोमिजिंग बॉक्सर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। |
| 5. | **फिट इंडिया साइकिल संडे**<br>■ सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में रविवार को 'फिट इंडिया – साइकिल संडे' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।<br>■ **आयोजन की थीम :** "कॉमनवेल्थ डे, 2030"<br>■ इस रैली का उद्देश्य नागरिकों में शारीरिक स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली और कॉमनवेल्थ खेल 2030 के प्रति जागरूकता फैलाना था। |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राष्ट्रीय परिदृश्य

## डॉ. लहारक्याल लामा

(स्रोत: AIR)

### मुख्य बिन्दु:

- नेपाल में लुम्बिनी विकास न्यास के उपाध्यक्ष डॉ. लहारक्याल लामा को म्यांमार सरकार ने प्रतिष्ठित धार्मिक उपाधि महासधम्म ज्योतिकाधज से सम्मानित किया है।
- **योगदान:** डॉ. लामा को बौद्ध शिक्षाओं और विरासत के संरक्षण तथा प्रचार में उनके निरंतर योगदान के लिए यह यह सम्मान दिया गया है।
- वे बौद्ध अध्ययन और पुरातात्विक संरक्षण के लिए समर्पित एक वैश्विक संगठन, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के अध्यक्ष भी हैं। डॉ. लहारक्याल लामा नेपाल के एक प्रसिद्ध तिब्बती बौद्ध विद्वान हैं और उन्हें खेन्पो छिमे छिरिंग के नाम से भी जाना जाता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# गुरिंदरवीर सिंह

(स्रोत: AIR)

## चर्चा में क्यों?

- गुरिंदरवीर सिंह ने फेडरेशन कप एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

## मुख्य बिन्दु:

- उन्होंने 10.09 सेकंड के नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड (पिछला रिकॉर्ड: 10.17 सेकंड) के साथ यह उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा:**

| | | |
|---|---|---|
| स्वर्ण पदक | गुरिंदरवीर सिंह | 10.09 सेकंड |
| रजत पदक | अनिमेष कुजूर | 10.20 सेकंड |
| कांस्य पदक | प्रणव प्रमोद | 10.29 सेकंड |

- **पुरुषों की 400 मीटर स्पर्धा:**

| | |
|---|---|
| स्वर्ण पदक | विशाल टीके (44.98 सेकंड) |
| रजत पदक | राजेश रमेश |
| कांस्य पदक | जय कुमार |

- **विशाल यह दौड़ 45 सेकंड से कम समय में पूरी करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए।**


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट

(स्रोत: News on air)

## चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय गृह मंत्रालय 'स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट' शुरू करेगा। प्रस्तावित स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट में ड्रोन, रडार, आधुनिक कैमरे और अन्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियाँ शामिल होंगी।

## मुख्य बिन्दु:

- इस योजना का उद्देश्य बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ लगने वाली भारतीय सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित और अभेद्य बनाना है।

### भारत में स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट की ज़रूरत क्यों है?

- **विशाल स्थलीय सीमा:** भारत सात देशों (बांग्लादेश, चीन, पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार, भूटान और अफगानिस्तान) के साथ 15,106.7 किलोमीटर लंबी स्थलीय सीमा साझा करता है।
- **अवैध गतिविधियाँ रोकने के लिए:** घुसपैठ, संगठित अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, पशु तस्करी, हथियारों की तस्करी और नकली मुद्रा के कारोबार को रोकने के लिए सीमाओं पर सख्त निगरानी रखना आवश्यक हैं।
- **नए प्रकार के सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए:** जैसे साइबर हमले, हाइब्रिड वॉरफेयर और ड्रोन के माध्यम से होने वाली घुसपैठ से निपटने के लिए।
- **दुर्गम भू-भाग और प्रतिकूल जलवायु दशाएँ:** भारत की सीमा पर मरुस्थल, ग्लेशियर, झीलें, नदियाँ, बर्फ से ढकी चोटियाँ, दलदली ज़मीन और घने जंगल हैं। इन स्थलों पर चौबीसों घंटे सुरक्षा बलों को तैनात रखना कठिन होता है।
- **प्रौद्योगिकी के माध्यम से दक्षता बढ़ाना:** सीमा सुरक्षा का प्रबंधन एकीकृत तरीके से, रियल टाइम में और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के अधिक उपयोग की आवश्यकता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## स्मार्ट सीमा-सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम

- **एंटी-ड्रोन सिस्टम:** वायु जनित खतरों से निपटने के लिए जैमिंग और डिटेक्शन तकनीकों का एकीकरण किया गया। उदाहरण के लिए: IG T-शुल पल्स एंटी-ड्रोन सिस्टम।
- **व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (CIBMS):** सीमा की वास्तविक समय में निगरानी के लिए स्मार्ट फेंसिंग, सेंसर, रडार, CCTV कैमरे और कमांड-कंट्रोल सिस्टम उपयोग किए जा रहे हैं।
- **BOLD-QIT प्रोजेक्ट:** यह सीमा सुरक्षा बल द्वारा भारत-बांग्लादेश सीमा पर शुरू की गई एक हाई-टेक 'स्मार्ट फेंसिंग' पहल है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# भूगोल एवं भू-विज्ञान

## खेत बचाओ अभियान

(स्रोत: PIB]

### मुख्य बिन्दु:

- कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अपने राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं जो मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग और टिकाऊ कृषि पर केंद्रित है।
- **अभियान संचालक:** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)।
- **फोकस क्षेत्र:** मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग और टिकाऊ कृषि।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# आर्थिक घटनाक्रम

## RBI अधिशेष

(स्रोत: News on air)

### चर्चा में क्यों?

- RBI ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को ₹2.86 लाख करोड़ के अपने अब तक का सर्वाधिक अधिशेष हस्तांतरण को मंजूरी प्रदान की।

### मुख्य बिन्दु:

#### RBI अधिशेष

- **अधिशेष का अर्थ है**—व्यय से अधिक आय अर्जित होना।
- **RBI की आय के स्रोत:** रुपया प्रतिभूतियों को धारण करने पर ब्याज, तरलता समायोजन सुविधा (LAF), सीमांत स्थायी सुविधा (MSF), ऋण और अग्रिम, तथा विदेशी स्रोत।
- RBI अपनी किसी भी आय, लाभ या मुनाफे पर आयकर या सुपर-टैक्स देने के लिए उत्तरदायी नहीं है।
- **RBI का व्यय:** नोटों की छपाई, एजेंसी शुल्क जिसमें बैंकों, प्राथमिक डीलरों आदि का कमीशन और कर्मचारी लागत शामिल हैं।

#### सरकार को RBI अधिशेष के हस्तांतरण के संबंध में प्रावधान

- **RBI अधिनियम, 1934 की धारा 47:** संदिग्ध ऋणों, परिसंपत्तियों में मूल्यह्रास और अन्य मानक बैंकिंग प्रावधानों के लिए राशि अलग रखने के बाद अधिशेष लाभ को केंद्र सरकार को हस्तांतरित करना अनिवार्य है।
- मालेगाम समिति (2013) और बिमल जालान समिति (2019) की सिफारिशों के बाद, सरकार को अधिशेष हस्तांतरण में अधिक वृद्धि देखी गई है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# योजनाएँ एवं नीतियाँ

## आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (ABHA)

(स्रोत: PIB)

### चर्चा में क्यों?

- आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (ABHA) से 100 करोड़ स्वास्थ्य रिकार्ड्स जुड़े। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता, 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' (ABDM) के तहत एक पहल है।

### मुख्य बिन्दु:

- इसके तहत नागरिकों को एक डिजिटल स्वास्थ्य पहचान-पत्र (हेल्थ ID) प्रदान किया जाता है। इसकी सहायता से वे अस्पतालों, क्लिनिकों और लैब्स में अपने मेडिकल रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से जोड़ सकते हैं और कहीं भी प्राप्त कर सकते हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM)

- **प्रारंभ:** 2021 में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा केंद्रीय क्षेत्रक योजना के रूप में।
- **नोडल एजेंसी:** राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA)
- **उद्देश्य:** भारत में एकीकृत, साझा करने योग्य और नागरिक केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना तैयार करना।

## ABDM के डिजिटल घटक

- **ABHA ID:** 14 अंकों की विशिष्ट डिजिटल हेल्थ आईडी है।
- **हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री:** यह देश भर के सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस है।
- **हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री:** यह डॉक्टरों और आयुष चिकित्सकों सहित सभी पंजीकृत स्वास्थ्य पेशेवरों का डेटाबेस है।
- **यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेस:** यह टेली-कंसल्टेशन, अपॉइंटमेंट और अन्य स्वास्थ्य-देखभाल सेवाओं के लिए सर्वसुलभ डिजिटल प्लेटफॉर्म है।
- **हेल्थ इंफॉर्मेशन एक्सचेंज:** यह मेडिकल रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से साझा करने की एक प्रणाली है। इसमें मरीज की सहमति आवश्यक होती है।
- **नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज:** यह स्वास्थ्य बीमा क्लेम के निस्तारण को तेज और सरल बनाने वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

## एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB)

(स्रोत: Economic times)

### चर्चा में क्यों?

- AIIB ने उन सदस्यों की सहायता करने के लिए 'ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक लचीलापन सुविधा' शुरू की है, जिनका विकास मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष से प्रभावित हो सकता है।

### मुख्य बिन्दु:

- यह दो वर्षों के लिए 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक की समयबद्ध वित्तपोषण व्यवस्था प्रदान करती है।

**AIIB**

- **गठन:** यह 2016 में स्थापित एक बहुपक्षीय विकास बैंक
- **मुख्यालय:** बीजिंग (चीन)
- **उद्देश्य:** एशिया में सतत् अवसंरचना विकास, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।
- **सदस्य:** विश्व भर से 111 से अधिक स्वीकृत सदस्य।
- भारत इस बैंक का संस्थापक सदस्य है और चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है।
- AIIB से भारत को सबसे अधिक ऋण प्राप्त हुआ है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# WTO विवाद निपटान निकाय

(स्रोत: Economic times & India times)

## चर्चा में क्यों?

- भारत ने विश्व व्यापार संगठन (WTO) में विवाद निपटान पैनल गठित करने के चीन के पहले अनुरोध को रोक दिया, जिसमें चीन ने भारतीय शुल्कों और प्रोत्साहनों (आईटी और सौर ऊर्जा उत्पादों से संबंधित) को भेदभावपूर्ण बताया था।

## मुख्य बिन्दु:

- कोई देश पैनल गठन के पहले अनुरोध को रोक सकता है। हालांकि, विवाद निपटान निकाय की अगली बैठक में पैनल का गठन स्वत: हो जाता है, जब तक कि उसके खिलाफ सर्वसम्मति न हो।

### WTO विवाद निपटान निकाय (DSB)

- DSB सदस्य देशों के बीच व्यापार से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए जिम्मेदार संस्था है।

### प्रमुख विशेषताएँ:

- **संरचना:** इसमें WTO के सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- **मुख्य कार्य:** यह विवाद निपटान ज्ञापन के तहत WTO के विवाद निपटान-तंत्र का प्रशासन करता है।
- **DSB के कार्य:** विवाद निपटान पैनल स्थापित करना; पैनल और अपीलीय निकाय की रिपोर्ट अपनाना; यदि निर्णयों का पालन नहीं किया जाता है तो प्रतिपूर्ति या व्यापार प्रतिबंधों को अधिकृत करना, आदि।
- 2019 के बाद से, गणपूर्ति की कमी (अमेरिका द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करने) के कारण WTO का अपीलीय निकाय निष्क्रिय है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

## इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA)

(स्रोत: News on air)

### चर्चा में क्यों?

- सऊदी अरब, इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) का 26वाँ सदस्य बना। इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस के गठन का विचार पहली बार जुलाई, 2019 में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री ने दिया था।

### मुख्य बिन्दु:

**इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA)**

- **स्थापना:** भारत द्वारा वर्ष 2023 में शुरू
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली (भारत)
- **उद्देश्य:** विश्व भर में सात बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बिग कैट्स) का संरक्षण सुनिश्चित करना। ये सात बड़ी बिल्ली प्रजातियाँ हैं; बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा।
- **गठन:** IBCA विभिन्न देशों, संस्थाओं और संगठनों का एक गठबंधन है। इनमें उपर्युक्त सातों प्रजातियों के पर्यावास वाले 95 देशों के अलावा वे देश, संरक्षण साझेदार, वैज्ञानिक संस्थाएँ, व्यवसाय समूह और कॉर्पोरेट्स शामिल हैं जो इन प्रजातियों के संरक्षण में अभिरुचि रखते हैं।
- वर्तमान में इसके 26 सदस्य देश और 5 पर्यवेक्षक राष्ट्र हैं।
- **नोडल एजेंसी:** इसे भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# विज्ञान प्रौद्योगिकी

## इबोला रोग

(स्रोत: PIB और WHO)

### चर्चा में क्यों?

- डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) और युगांडा में इबोला रोग के कथित प्रकोपों के मद्देनजर, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (IHR), 2005 के तहत्, 17 मई, 2026 को स्थिति को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (PHEIC) घोषित किया।
- अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका CDC) ने भी आधिकारिक तौर पर कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा को प्रभावित करने वाले बुंडीबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के चल रहे प्रकोप को महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (PHECS) घोषित कर दिया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य बिन्दु:

- इबोला वायरस के बंडीबुग्यो स्ट्रेन के संक्रमण से होने वाला एक वायरल रक्तस्रावी बुखार है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसमें मृत्यु दर बहुत अधिक होती है।
- वर्तमान में, बंडीबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग की रोकथाम या उपचार के लिए कोई टीका या विशिष्ट उपचार स्वीकृत नहीं किया गया है।

### इबोला वायरस रोग (EVD):

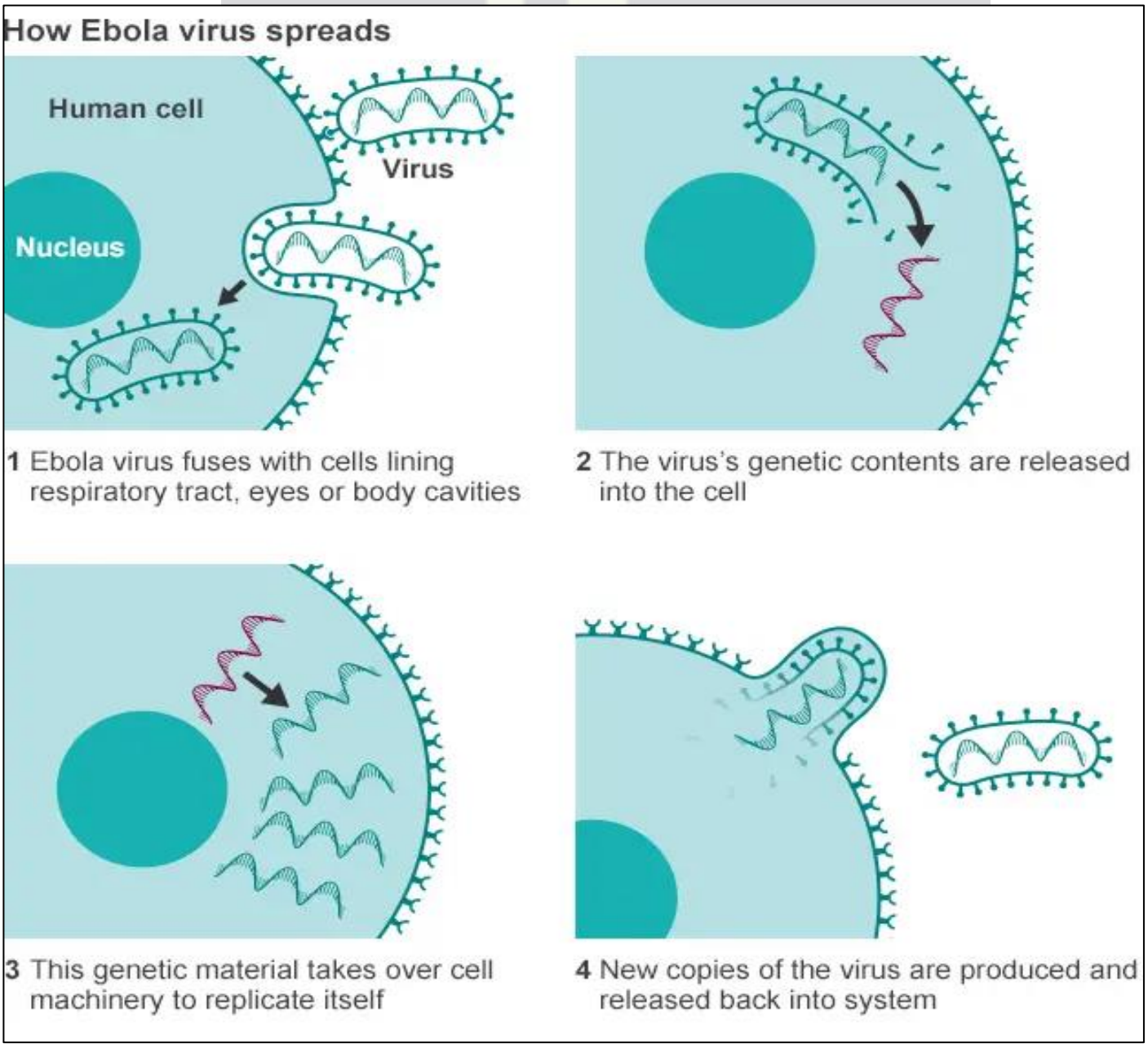



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **परिचय:** EVD (पूर्व नाम: इबोला रक्तस्रावी बुखार) एक गंभीर, घातक संक्रामक रोग है जो मनुष्यों और अन्य प्राइमेट्स को प्रभावित करता है।
- **उत्पत्ति:** इस वायरस की पहचान पहली बार वर्ष 1976 में दो समकालिक प्रकोपों के दौरान की गई थी - एक यांबुकु (DRC) में इबोला नदी के पास (रोग का नामकरण) और दूसरा नज़ारा (दक्षिण सूडान) में।
- **कारण:** इबोला रोग फाइलोविरिडे परिवार के ऑर्थोइबोलावायरस जीनस से संबंधित वायरस के कारण होता है।
- **वाहक:** टेरोपोडिडे परिवार के फल खाने वाले चमगादड़ ऑर्थोबोलावायरस के प्राकृतिक मेजबान होते हैं। यह वायरस मनुष्यों में तब फैल सकता है जब लोग संक्रमित जानवरों जैसे फल खाने वाले चमगादड़, चिंपैंजी, गोरिल्ला, बंदर, वन मृग या साही के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के निकट संपर्क में आते हैं, जो बीमार या मृत अवस्था में वर्षावन में पाए जाते हैं।
- ऑर्थोइबोलावायरस की छह प्रजातियों की अब तक पहचान की गई है, जिनमें से तीन प्रमुख प्रकोपों का कारण बनती हैं: इबोला वायरस, सूडान वायरस और बुंडिबुग्यो वायरस।
- **संचरण:** पशु-से-मानव (जूनोटिक) और मानव-से-मानव।
- घातकता दर: इबोला रोग में मृत्यु दर औसतन लगभग 50% है। पिछले प्रकोपों में मृत्यु दर 25 से 90% तक रही है।
- **नैदानिक विधियाँ:**
  - रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज़ पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (RT-PCR) परख
  - एंटीबॉडी-कैप्चर एंजाइम-लिंक्ड इम्यूनोसोरबेंट परख (ELISA)
  - एंटीजन-कैप्चर डिटेक्शन परीक्षण
  - सेल कल्चर द्वारा वायरस का पृथक्करण।
- **टीके:** दो टीकों को मंजूरी मिल चुकी है: एर्वेबो (मर्क एंड कंपनी) और ज़ाब्डेनो और म्वाबिया (जानसेन फार्मास्यूटिका)।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# विश्व थायरॉयड दिवस, 2026

(स्रोत: DD-NEWS)

## चर्चा में क्यों?

- प्रतिवर्ष 25 मई को विश्व थायरॉयड दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को थायरॉयड रोगों के प्रति जागरूक करना, प्रारंभिक जाँच को बढ़ावा देना तथा बेहतर स्वास्थ्य नीतियों पर विचार करना है।

## मुख्य बिन्दु:

- **कारण:** यह तिथि 25 मई,1965 को यूरोपीय थायरॉइड एसोसिएशन (ETA) की स्थापना के सम्मान में चुनी गई।
- **शुरुआत:** वर्ष 2008


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

### थायरॉयड ग्रंथि:

- **अवस्थिति:** थायरॉयड ग्रंथि गर्दन के सामने साँस नली के ऊपर तथा स्वरयंत्र के नीचे स्थित होती है। इसके दो भाग होते हैं, जो मध्य में एक पतली संरचना से जुड़े रहते हैं और इसे तितली जैसा आकार प्रदान करते हैं।
- **यह मुख्यत: तीन महत्त्वपूर्ण हार्मोन से संबंधित है।**
  1. थायरोक्सिन (T4), यह शरीर में सबसे अधिक मात्रा में पाया जाने वाला हार्मोन है।
  2. ट्रायोडोथायरोनिन (T3), यह अधिक सक्रिय हार्मोन होता है और कोशिकाओं की कार्यक्षमता को नियंत्रित करता है।
  3. थायरॉयड स्टिमुलेटिंग हार्मोन (TSH), यह मस्तिष्क की पीयूष ग्रंथि से निकलता है तथा थायरॉयड हार्मोन के निर्माण को नियंत्रित करता है।
- **कार्य:** ऊर्जा और चयापचय नियंत्रण, हृदय गति का नियमन, तापमान संतुलन, मस्तिष्क एवं मानसिक विकास और वृद्धि एवं प्रजनन स्वास्थ्य में थायरॉयड ग्रंथि की महत्त्वपूर्ण भूमिका हैं।

### थायरॉयड विकार:

- **हाइपोथायरॉयडिज्म (Hypothyroidism):** जब थायरॉयड ग्रंथि आवश्यक मात्रा से कम हार्मोन बनाती है, जो महिलाओं में काफी अधिक प्रचलित है।
- **हाइपरथायरॉयडिज्म (Hyperthyroidism):** जब ग्रंथि आवश्यकता से अधिक हार्मोन बनाने लगती है।
- **(घेंघा):** ग्रंथि का असामान्य रूप से बढ़ जाना।
- **घेंघा रोग (गॉयटर) और आयोडीन की कमी से होने वाले विकार:** घेंघा रोग थायरॉइड ग्रंथि का असामान्य रूप से बढ़ना है और दुनिया भर में घेंघा रोग का सबसे आम कारण आहार में आयोडीन की कमी है।
- **हाशिमोटो थायरॉइडाइटिस:** इसे क्रोनिक लिम्फोसाइटिक थायरॉइडाइटिस के नाम से भी जाना जाता है । यह एक स्वप्रतिरक्षित रोग है, जिसमें थायरॉइड ग्रंथि धीरे-धीरे नष्ट हो जाती है
- **थायरॉइड कैंसर:** थायरॉइड कैंसर थायरॉइड ग्रंथि की कोशिकाओं में होता है।
- **प्रमुख कारण:** आयोडीन की कमी, आनुवंशिक प्रवृत्ति, ऑटोइम्यून रोग, अत्यधिक तनाव, अनियमित जीवन शैली, पर्यावरणीय प्रदूषण और रासायनिक प्रभाव।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# थर्मल ऊर्जा भंडारण (TES) प्रणालियाँ

(स्रोत: PIB)

## चर्चा में क्यों?

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के एक स्वायत्त संस्थान, इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (ARCI) के शोधकर्ताओं ने थर्मल ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए विशिष्ट ताप क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि के साथ स्पिनेल नैनो कम्पोजिट फेज चेंज मटेरियल (PCM) के उत्पादन के लिए एक लागत प्रभावी, स्केलेबल प्रक्रिया विकसित की है।

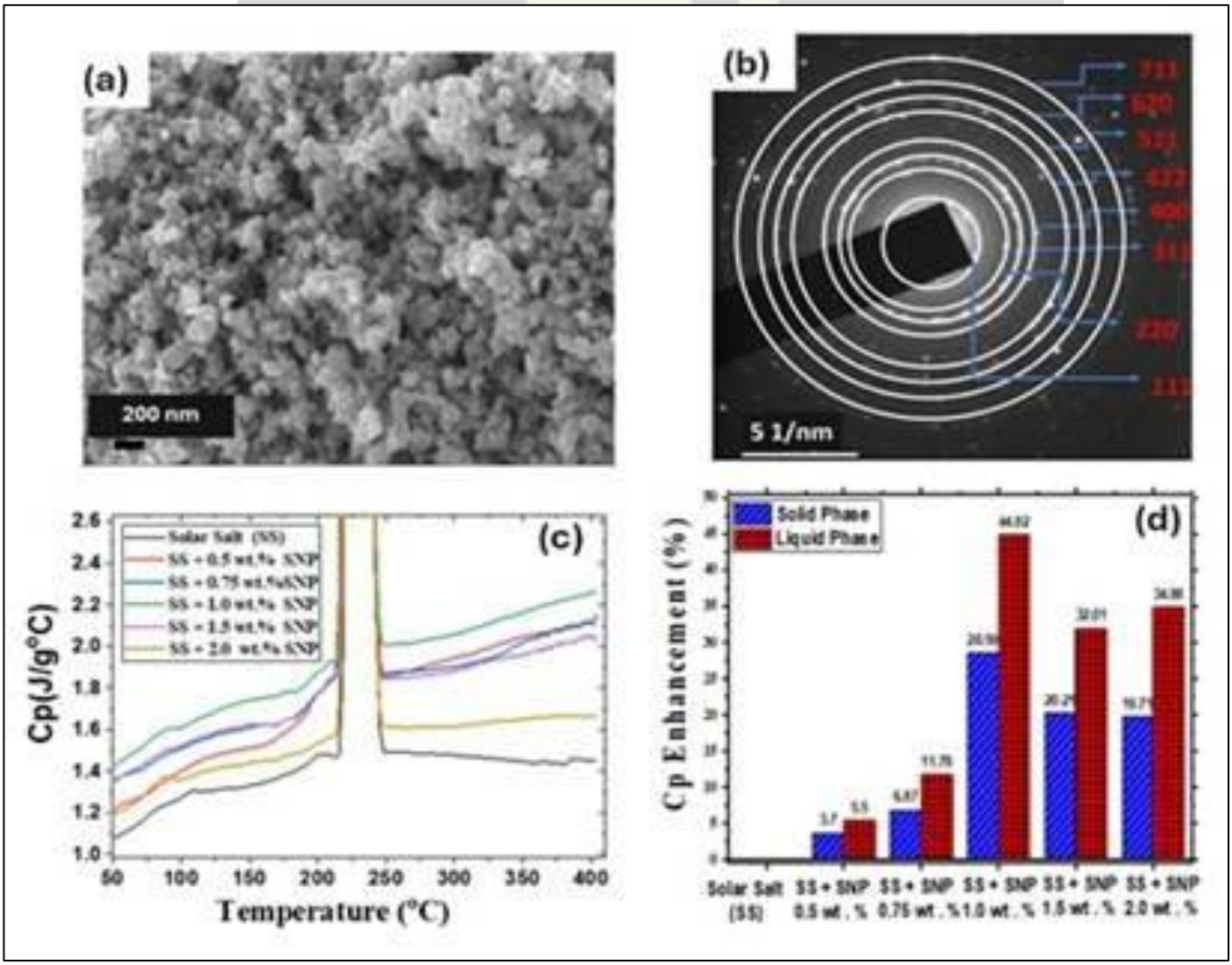



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** थर्मल एनर्जी स्टोरेज (TES) सिस्टम एक उन्नत स्वच्छ तकनीक है जिसे किसी भंडारण माध्यम को गर्म या ठंडा करके ऊष्मीय ऊर्जा को संग्रहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **प्रकाशन:** मैटेरियल्स टुडे केमिस्ट्री (एल्सवियर)
- **उद्देश्य:** केंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्रों (CSP) तथा औद्योगिक अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति प्रणालियों की दक्षता बढ़ाना तथा अधिक ऊष्मीय ऊर्जा को कम स्थान में संग्रहित करना।
- **विकसित तकनीक:** डॉ. मणि कार्तिक के नेतृत्व में ARCI टीम द्वारा विकसित प्रक्रिया, नियंत्रित कण आकार वाले स्पिनेल-प्रकार के धातु ऑक्साइड नैनोकणों के उत्पादन के लिए एक सरल सह-अवक्षेपण विधि का उपयोग करती है। इन नैनो सामग्रियों ने उत्कृष्ट तापीय स्थिरता और एकसमान फैलाव प्रदर्शित किया, जिससे वे उच्च-प्रदर्शन वाले नैनोकंपोजिट PCM के उत्पादन के लिए उपयुक्त बन गए।
- PCM में केवल 1% स्पिनेल ऑक्साइड नैनोकणों को मिलाने से, नैनोकंपोजिट चरण परिवर्तन सामग्री ने नैनोकंपोजिट रहित PCM की तुलना में विशिष्ट ताप क्षमता (ऊष्मीय ऊर्जा को संग्रहित करने की क्षमता) में 45% तक की उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई।
- **विशेषताएँ:** यह पदार्थ प्रति इकाई द्रव्यमान अधिक ऊष्मीय ऊर्जा संग्रहित कर सकता है, जिससे ऊर्जा भंडारण दक्षता में सुधार होता है। इस सुधार से कम निर्माण सामग्री वाले छोटे भंडारण टैंक बनते हैं, जिससे पूँजीगत और परिचालन लागत दोनों में काफी कमी आती है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# IN-SPACe

(स्रोत: Times of India)

## चर्चा में क्यों?

- अंतरिक्ष विभाग ने IN-SPACe के सहयोग से गुजरात के खोरज और तमिलनाडु के थूथुकुडी में सामान्य तकनीकी सुविधाएँ (CTFs) स्थापित करने की मंजूरी दी है।

## मुख्य बिन्दु:

- ये CTFs विशेष रूप से अंतरिक्ष कार्यों (अंतरिक्ष यान, पेलोड सिस्टम) के लिए नामित प्लग-एंड-प्ले विनिर्माण क्लस्टर के भीतर स्थित होंगे।

### IN-SPACe

- यह 'भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र' का संक्षिप्त रूप है।
- यह अंतरिक्ष विभाग के तहत एक स्वायत्त निकाय है।
- अंतरिक्ष क्रियाकलापों में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने और सार्वजनिक-निजी सहयोग के माध्यम से भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए इसे अंतरिक्ष क्षेत्रक में सुधार (2020) के तहत स्थापित किया गया।

### प्रमुख कार्य:

- ISRO से वित्तीय सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से यह अंतरिक्ष कार्यों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देता है।
- इसरो की अवसंरचनाओं और प्रयोगशालाओं तक पहुँच प्रदान करके स्टार्टअप की लागत को कम करता है।
- निजी क्षेत्र के प्रक्षेपणों और ग्राउंड ऑपरेशनों की अनुमति देने वाले प्रमुख विनियामक के रूप में कार्य करता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार

(स्रोत: News on air)

## चर्चा में क्यों?

- भारत के चंद्रयान-3 मिशन को अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (AIAA) द्वारा 2026 के प्रतिष्ठित गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य बिन्दु:

### गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार

- **महत्त्व:** यह अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए AIAA द्वारा प्रदान किया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।
- **पृष्ठभूमि:** इस पुरस्कार को तरल ईंधन आधारित रॉकेट इंजन विकास के अग्रणी रॉबर्ट एच. गोडार्ड के नाम पर रखा गया। 1975 में इस पुरस्कार का वर्तमान विस्तारित मानदंड निर्धारित किया गया।

### चंद्रयान-3 मिशन

- **ऐतिहासिक लैंडिंग:** 23 अगस्त, 2023 को, चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला अंतरिक्ष यान बनकर इतिहास रच दिया।
- **मिशन की अवधि:** एक चंद्र दिवस (लगभग 14 पृथ्वी दिवस)।
- **घटक:** विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# प्रेगाबालिन एवं शेड्यूल H1

(स्रोत: PIB)

## चर्चा में क्यों?

- युवाओं में प्रेगाबालिन दवा के शांतिदायक, उत्साह उत्पन्न करने वाले और वास्तविकता से अलगाव पैदा करने वाले प्रभावों के कारण व्यापक दुरुपयोग को देखते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसे शेड्यूल H1 में शामिल कर दिया है।

## मुख्य बिन्दु:

### प्रेगाबालिन

- **चिकित्सीय उपयोग:** प्रेगाबालिन (या लिरिका) मुख्य रूप से तंत्रिका संबंधी दर्द, पुराने दर्द, न्यूरोपैथी, फाइब्रोमायल्जिया के इलाज और मिर्गी वाले लोगों में दौरे के इलाज की दवा है।
- **स्वास्थ्य जोखिम:** आत्मघाती विचार उत्पन्न होना और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र संबंधी अवसाद।

### शेड्यूल H1

- **परिचय:** शेड्यूल H1 ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के औषधि नियम, 1945 के तहत अत्यधिक निषिद्ध श्रेणी है।
- **सूचीबद्ध दवाओं की अनुशंसा पर सख्त नियम:** शेड्यूल H1 में शामिल दवाएँ केवल पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर (RMP) द्वारा जारी वैध प्रिस्क्रिप्शन पर ही बेची जा सकती हैं।
- **खुदरा विक्रेता की जवाबदेही:** केमिस्ट और खुदरा विक्रेताओं को एक अलग रजिस्टर बनाए रखना होता है जिसमें बिक्री के सभी विवरण दर्ज किए जाते हैं।
- **अनिवार्य चेतावनी लेबल:** निर्माताओं को पैकेजिंग पर स्पष्ट रूप से "शेड्यूल H1 ड्रग चेतावनी" लेबल प्रदर्शित करना चाहिए।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR